बांस के उपयोग और मूल्य संवर्धन पर प्रशिक्षण

बांस के प्रसंस्करण और प्रशिक्षण के लिए सामान्य सुविधा केन्द्र

वनोपज प्रभाग

वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

बांस अविश्वसनीय रूप से सर्वतोमुखी और उपयोगी है। बांस का प्रयोग लोगों द्वारा उनकी कल्पनानुसार व्यापक रूप से किया जाता है। बांस के उपयोग का लम्बा इतिहास है और बांस लाखों लोगों के दैनिक जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। इतना ही नहीं, तेजी से हो रहे पर्यावरण निम्नीकरण को रोकने के लिए बांस विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। यद्पि बांस 'गरीब आदमी का प्रकाष्ठ' है, तथापि बांस को अधिक महत्व नहीं दिया गया। बांस विश्व में सबसे तेजी से उगने वाली घासों में से एक है, और इसका उपयोग कई उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है। जैसे हस्तशिल्प, फर्नीचर, भवन निर्माण सामग्री, चटाईयाँ, टोकरियाँ, औजार, हत्थे, हैट्स, पारंपरिक खिलौने, संगीत उपकरण आदि। बांस के उपयोग में कुछ कठिनाईयाँ भी हैं जैसे कोनों से फटना, तल पर दरार होना और गांठो पर चटकना, फफूंद के कारण रंगीन हो जाना। छिपटियाँ और रेशे निकलने में कठिनाई होना तथा आघातवर्ध्यता आदि। इन कारणों से शिल्पकार बांस से मूल्यवान सामग्री नहीं बना पाते हैं। यद्पि वन अनुसंधान संस्थान में बांस सामग्रियां बनाने के लिए कई तकनीकें विकसित की हैं तथापि सामान्य सुविधा केन्द्र ना होने के कारण इन तकनीकों का विस्तार, स्थानीय तथा गरीब लोगों तक नहीं हो सका है। उपरोक्त बातों को ध्यान में रखते हुए वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून द्वारा बांस को मूल्यवान सामग्री बनाने हेतु प्रशिक्षण देने के लिए सामान्य सुविधा केन्द्र स्थापित किया जा रहा है।

वर्तमान सुविधायें :

- बांस क्रास कट मशीन
- बांस की गांठ और छाल को हटाने वाली मशीन
- बांस के मोटे फांक बनाने वाली मशीन
- बांस के पतले फांक बनाने वाली मशीन
- चौड़े फांक बनाने वाली, बांस को श्रृंखला से फाड़ने वाली मशीन
- सर्वकार्य काष्ठ कर्म तथा बांस अनुप्रयोग मशीन
- काष्ठ / बांस टर्निंग लेथ मशीन
- बांस छड़ों को पालिश करने वाली मशीन
- हाथ से संचालित विद्युत शक्ति वाले उपकरण
- बांस उपचार संयन्त्र

सी०एफ०सी० निम्नलिखित उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए एक अच्छी सुविधा होगी :

- स्वयं सहायता समूहों, गैर सरकारी संगठनों, स्थानीय कारीगरों और ग्रामीण लोगों को, राज्य के वन विभाग, बांस प्रसंस्करण में कर्मियों और किसानों को परिरक्षक उपचार, पालिश करने, बोर्ड बनाने और फर्नीचर बनाने हेतु प्रशिक्षण दिया जाएगा।
- विभिन्न हितधारकों के लिए प्रसंस्करण सुविधाओं का विस्तार करने हेतु।
- समुदायों की आजिविका के वैकल्पिक स्रोत उपलब्ध करने हेतु।
- बाजार में पर्यावरण के अनुकूल बांस आधारित उत्पादों को लकड़ी आधारित उत्पादों से प्रतिस्थापित करना।

कार्यक्रम और सेवायें :

- सुग्राही बनाने हेतु कार्यक्रम।
- क्षमता विकसित करने हेतु तकनीकी प्रशिक्षण सेवायें।
- शुरूवात करने वाले कामगारों या छोटे पैमाने के उत्पादकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम ।
- उद्यमियों के लिए उच्च प्रशिक्षण।

प्रशिक्षण शुल्क :

- शुरूवात करने वाले कामगारों या छोटे पैमाने के उत्पादकों के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम : रू0 5000/– (रहने एवं भोजन सहित)
- उद्यमियों/ राज्य के वन विभाग आदि के लिए पांच दिवसीय उच्च प्रशिक्षण : रू0 10,000/– (रहने एवं भोजन सहित)

Visit us: http://www.icfre.org

सम्पर्क करें :-

डॉ० पदम प्रकाश भोजवैद, भा.व.से
निदेशक, वन अनुसंधान संस्थान
(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद)
पो.ओ. न्यू फॉरेस्ट, देहरादून
कार्यालय : 0135–2755277–2224444
फैक्स : 0135–2756865
ई–मेल ppbhoj@icfre.org

प्रभाग प्रमुख
वनोपज प्रभाग
वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून
फोन नं० 0135–2224398, 2759327

Printed by: S S Technoprint Pvt. Ltd. Ph.: 0135-2715092